



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बोरवार, 1 फरवरी, 2001/12 माघ, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

समाज एवं महिला कल्याण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 अप्रैल, 2000

संख्या कल्याण-ए(3)-18/87.—हिमाचल प्रदेश के राजपत्र, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या कल्याण-ए(3)-18/87, तारीख 21-9-1993 द्वारा अधिसूचित, समाज एवं महिला कल्याण विभाग में जिला कल्याण एवं परिवीक्षा अधिकारी के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1993 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, समाज एवं महिला कल्याण विभाग, जिला कल्याण एवं परिवीक्षा अधिकारी (वर्ग-II राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपावन्ध “अ” का संशोधन.—समाज एवं महिला कल्याण विभाग, “जिला कल्याण एवं परिवीक्षा

अधिकारी" (वर्ग-II राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1993 के उपाबन्ध "अ" में:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जायेंगे, अर्थात्:—

"7000-220-8100-275-10300-340-10980."

(ख) स्तम्भ संख्या 10 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

(i) 75 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

(ii) 25 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।

(ग) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

तहसील कल्याण अधिकारियों में जिनका 6 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में (31-3-98) तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, को शामिल करके संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, प्रोन्नति द्वारा ।

1. प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-98 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिये इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जायेगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-98 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में, उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जायेंगे और विचार करने समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जायेगा ।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मंड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्स, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूल्स, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों ।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में सम्भरण पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिये गणना में ली जायेगी, यदि

तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसरण में की गई थी :

परन्तु 31-3-1998 तक की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव (कल्याण) ।

[Authoritative English Text of this department Notification No. WLF-A (3)-18/87 dated, 19-4-2000 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India].

## SOCIAL & WOMEN'S WELFARE DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th April, 2000

**No. Kalyan-A(3) 18/87.**—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Social and Women's Welfare Department, District Welfare-cum-Probation Officer (Class-II -Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1993 notified by this department vide notification No. Kalyan-A(3)-18/87, dated 21-9-93, namely :—

**1. Short title and commencement.**—(i) These rules shall be called Himachal Pradesh Social & Women's Welfare Department District Welfare-cum-Probation Officer, (Class-II-Gazetted) (First Amendment) Rules, 2000.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

**2. Amendment of Annexure 'A'.**—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Social & Women's Welfare department District Welfare-cum-Probation Officer (Class-II Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1993:—

(a) For the existing provisions against column No. 4, the following shall be substituted, namely :—

“Rs. 7000-220-8100-275-10300-340-10980.”

(b) For the existing provisions against Col. No. 10, the following shall be substituted, namely:—

(i) “75% by promotion failing which by direct Recruitment .

(ii) 25% by direct recruitment.

(c) For the existing provisions against Col. No. 11, the following shall be substituted, namely:—

"By promotion from amongst the Tehsil Welfare Officer who possess 6 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service if any in the grade.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that :

In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998 followed by regular service /appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/ cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior persons in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast 3 years or that prescribed in the R&P Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of rule 3 of Ex-Servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection in accordance with the provisions of the R & P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998, as referred to above shall remain unchanged".

By order,

Sd/-  
Commissioner-cum-Secretary.